Newspaper	Page No.	Date
Nai Duniya		08-06-2014

नेत्र शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने कराई आंखों की जांच

दंतेवाड़ा(ब्यूरो)। सामाजिक कल्याण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए एस्सार स्टील कंपनी द्वारा एस्सार फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। एस्सार फाउंडेशन ने न सिर्फ ग्रामीणों से जुड़ने का प्रयास किया है। ग्रामीणों के अनुरोध पर फाउंडेशन ने दो एवं तीन मई को पालनार में तथा चार एवं पांच मई को गादीरास में निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया। एस्सार फाउंडेशन तथा शंकर नेत्र चिकित्सालय विशाखापटनम के द्वारा आयोजित शिविर में 7 सौ से ज्यादा ग्रामीणों ने लाभ उठाया। चार दिवसीय शिविर में सभी उम्र के व्यक्ति की आंख की बीमारी का निःशुल्क जांच किया गया। जिन मरीजों

29 मरीज आपरेशन के लिए विशाखापटनम रिफर

को चश्मे की आवश्यकता थी उन्हें उसी दिन डाक्टर की सलाह पर निःशुल्क चश्मे भी दिए गए। जिन मरीजों को आंख के ऑपरेशन की आवश्यकता थी उन्हें शंकर फाउंडेशन नेत्र चिकित्सालय विशाखापटनम भेजा गया। एस्सार फाउंडेशन के तेज प्रकाश के मुताबिक ऑपरेशन के बाद मरीजों को इन्फेक्शन से बचाने के लिए उन्हें तीन चार दिन गहन चिकित्सकीय अध्ययन के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि पालनार में आयोजित शिविर में 296 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया तथा 180 से ज्यादा लोगों को पावर चश्मा दिया गया जबकि 10 लोगों को इलाज के लिए विशाखापटनम भेजा गया। इसी तरह गादीरास शिविर में14 गांवों के 450 ग्रामीण आए थे। इसमें से 335 को पावर चश्मा दिया गया। वहीं 24 ग्रामीणों को मोतियाबिंद तथा अन्य संबंधित बीमारी होने के कारण सर्जरी के लिए विशाखापटनम भेजा जाना था लेकिन निजी कारणों से 19 ग्रामीणों ने ही विशाखापटनम जाने की हामी भरी । उनके परिवार के एक सदस्य के साथ उन्हें इलाज के लिए विशाखापटनम भेजा गया है। एस्सार स्टील के जीएम राघवलु के कहा कि एस्सार स्टील फाउंडेशन ग्राम तथा ग्रामीणों के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ग्रामीणों को भी अपने परिवार का एक सदस्य मान उनके हित में कार्य करती आ रही है। शंकर फाऊंडेशन के व्ही रमेश के साथ डाक्टर्स, नर्स तथा तकनीशियनों सहित 13 लोगों की टीम तथा एस्सार फाउंडेशन के तेज प्रकाश शर्मा व सबल झा के सक्रिय सहयोग ने शिविरों को सफल बनाया। दोनों ही शिविर में ग्राम पंचायतों के सरपंच , कंपनी के रामचंद्रा, श्रीनिवास , नरवीर सिंह, वर्षा झा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा। शिविर में आंखों की जांच करते चिकित्सक। -फोटो : नईदुनिया